



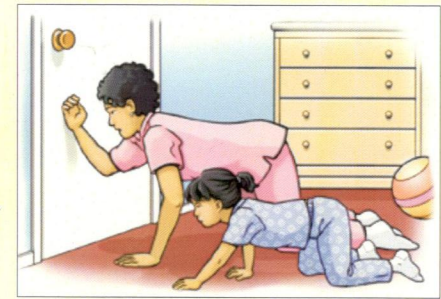
आपदा से बचाव

आग

1. आग से बचाव के लिए हमेशा अपने घर में अग्निशमन उपकरण, रेत की बाल्टी जैसी चीजें ऐसे स्थान पर रखें जहां से आप उनको आसानी से ले सकें।
2. हमेशा घर से बाहर जाते हुए बिजली के उपकरण, रसोई गैस बन्द करना न भूलें। कई बार आग लगने का कारण यही होते हैं।
3. आग लगने की स्थिति में 101 अथवा 0135108 पर कॉल करें। इसके अतिरिक्त अपने कस्बे या शहर के दमकल विभाग को भी सूचित करें।
4. शान्त रहें, धैर्य रखें व बिजली के उपकरणों को ऑफ कर दें।
5. कम तीव्रता वाली आग से निपटने के लिए पानी व रेत से भरी बाल्टियां, कम्बल आदि का प्रयोग करें।
6. अगर कपड़ों में आग लगे तो उन्हें जमीन पर लेट कर बुझाने का प्रयास करें।
7. अनियन्त्रित आग के दौरान पीड़ित व्यक्ति को कम्बल में लपेटें जब तक कि आग बुझ न जाए।

क्या न करें-

1. भीड़भाड़ वाले स्थानों, संकरी गलियों और घर के अन्दर पटाखे या ज्वलनशील वस्तु न जलायें।
2. यदि लम्बे या ढीले कपड़े पहने हुए हैं तो अत्यधिक सावधानी बरतें, क्योंकि ये शीघ्र आग पकड़ सकते हैं।
3. अधिक ध्वनि के लिए पटाखों को टिन कंटेनर या कांच की बोतलों से न ढकें।



'अमन' अल्मोड़ा द्वारा जनहित में प्रकाशित

आपदा से बचाव

जंगल की आग

जंगलों को आग से बचाने हेतु निम्न बातों का ध्यान रखें।

जंगल में फैली है आग, शुरू हो गई भागम-भाग।
धरती जली, पानी सूखा गाड़-गधेरे, सूख गये,
घास जली, जली झाड़ियां पेड की सारे सूख गये।
कितने पौधे कितने जीवन इस धरती से खो गये,
खेती पर पड़ी जब मार तो गांव भी खाली हो गये।



- 1 जंगलों में आग लगाना एक दण्डनीय अपराध है। जंगल में भ्रमण करते समय, पिकनिक के दौरान आग न जलाएं और जंगल में जलती हुई बीड़ी, सिगरेट न फेंके।
- 2 आग के चारों ओर खुदाई या पानी के द्वारा घेरा बनाने का प्रयास करें तथा अतिशीघ्र वन विभाग से सम्पर्क करें।
- 3 नई घास के लालच में वनों में आग न लगायें, आग लगने के बाद नई घास जल्दी तो आ जाती है किन्तु घास की मात्रा व गुणवत्ता दोनों ही कम हो जाती है। ऐसी घास को दुधारू पशुओं को खिलाने पर पशुओं में दूध कम हो जाता है।
- 4 जंगल या आसपास भोजन बनाने के पश्चात आग को पूर्णरूप से बुझा दें।
- 5 अपने परिवार व आसपास के लोगों को आग से होने वाले नुकसानों की जानकारी दें।
- 6 आग के दौरान जंगल में प्रवेश न करें।

वनों को आग से बचायें, वन रहेंगे तभी तो हम रहेंगे।

'अमन' अल्मोड़ा द्वारा जनहित में प्रकाशित

आपदा से बचाव

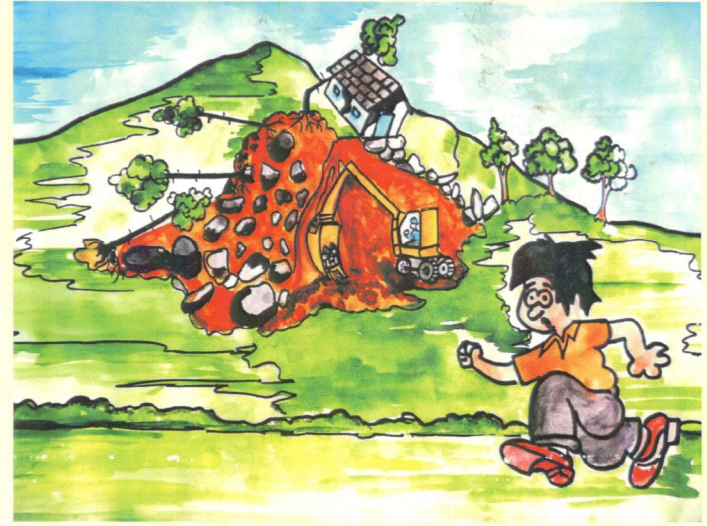
भूस्खलन

भूस्खलन से बचने के लिए-

- 1 भूस्खलन वाले क्षेत्रों में घर बनाने से बचें।
- 2 घर बनाने से पहले बुर्जुगों के परंपरागत ज्ञान एवं भूगर्भ वैज्ञानिकों के ज्ञान का उपयोग अवश्य करें कि कहीं वह भूमि कमजोर तो नहीं है।
- 5 अपने आसपास की जमीन में होने वाले परिवर्तनों का ध्यान रखें। असामान्य आवाज से सतर्क रहें, जैसे पेड़ के टूटने या चटकने, पत्थरों के टकराने की आवाज इत्यादि भूस्खलन का संकेत हो सकती हैं। सतर्क और जागृत रहें, कई लोगों की मृत्यु भूस्खलन के दौरान सोते रहने से होती है।
- 6 भूस्खलन के दौरान नदी घाटियों और निचले इलाकों से दूर रहें। यदि आप एक नदी या जल स्रोत के पास हैं तो जल स्तर में हुई अचानक वृद्धि या पानी के प्रवाह में हुई कमी से सतर्क रहें। पानी का अचानक गन्दा या मैला हो जाना, भूस्खलन आने का संकेत हो सकता है।
- 3 अपने घर और गांव के भूमि से पानी का निकास सुनिश्चित करें।
- 4 यथाशीघ्र भूस्खलन के क्षेत्र से दूर चले जायें।

भूस्खलन के बाद-

- 1 अपने निकटतम शरणस्थल पर आश्रय लें ताकि आप भूस्खलन से सुरक्षित रहें।
- 2 अगर आपको जगह खाली करने का निर्देश दिया गया हो तो जगह खाली कर प्रशासन द्वारा तय स्थान पर जायें।
- 3 भूस्खलन के क्षेत्र से दूर रहें, वहां अतिरिक्त भूस्खलन होने का खतरा हो सकता है।
- 4 भूस्खलन क्षेत्र में प्रवेश किए बिना घायल और फंसे व्यक्तियों की जांच करें तथा बचाव दल को उनके स्थान के लिए निर्देशित करें।



'अमन' अल्मोड़ा द्वारा जनहित में प्रकाशित

आपदा से बचाव

भूकम्प

पूर्व तैयारी सबसे बड़ा बचाव है।

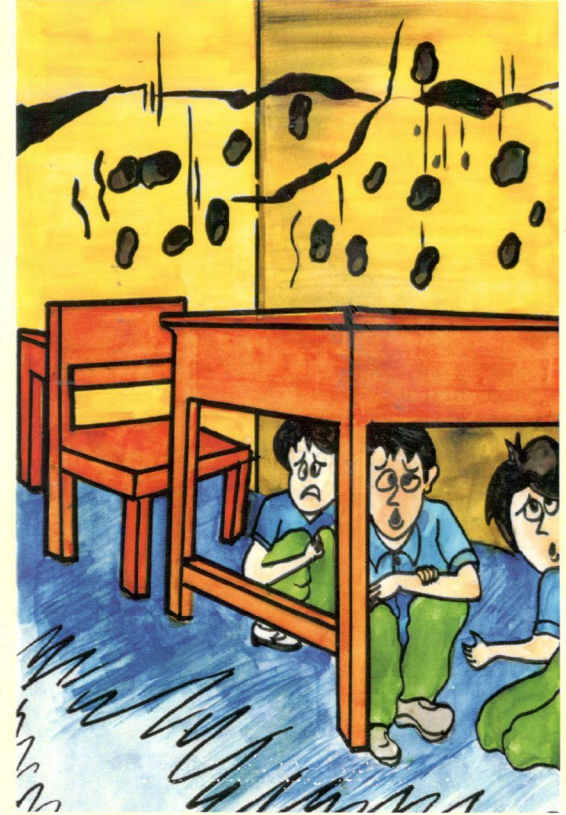
1. भूकम्परोधी घर हमेशा सुरक्षित होते हैं इसलिए अपने घरों को हमेशा भूकम्परोधी बनायें।
2. भूकम्प और उससे बचाव के तरीकों पर घर परिवार के लोगों को जागरूक बनायें।
3. भूकम्प की आपदा से बचाव के लिए अपने घर में एक आपातकालीन किट बनाकर सुरक्षित रखें जिसमें कुछ धन, जरूरी सामान, टार्च आदि रखा हो।
4. घर के आस-पास एक ऐसे खुले स्थान का चयन करें जहां भूकम्प के बाद आसरा लिया जा सके।

भूकम्प आने पर।

1. भूकम्प आने पर घर से बाहर सुरक्षित स्थान पर निकल जायें। यदि ऐसा संभव नहीं हो तो सुरक्षित फर्नीचर, दरवाजे या अन्य सुरक्षित कोने पर खड़े होकर अपने सिर और शरीर को बचाने का प्रयास करें।
2. कांच व खिड़कियों से दूर रहें तथा भूकम्प के झटकों के दौरान इमारत से बाहर न निकलें।
3. इमारतों, पुलों व बिजली के खम्बों से दूर रहें।

भूकम्प के बाद क्या करें।

1. सावधानीपूर्वक बाहर जायें, अस्थिर वस्तुओं की जांच करें कि आपके आसपास या आपके ऊपर अन्य खतरा तो नहीं है। यदि भूकम्प का झटका एक मिनट व उससे अधिक समय तक के लिए रहे, तो अगले झटकों के लिए भी तैयार रहें।
2. देखें कि आपको कोई चोट तो नहीं लगी है। भूकम्प से यदि कोई प्रभावित हुआ है तो उसकी सहायता करें।
3. क्षतिग्रस्त भवनों से अपने आपको दूर रखें।



‘अमन’ अल्मोड़ा द्वारा जनहित में प्रकाशित